

भारतीय राजनीति में किशोरों की राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन

Dr. Sukhjinder Singh*

Associate Professor, Humanities & Social Science, Government Engineering College, Jhalawar.

*Corresponding Author: drsukhjinder1@gmail.com

Citation: Singh, S. (2026). भारतीय राजनीति में किशोरों की राजनीतिक जागरूकता एवं राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन. *International Journal of Education, Modern Management, Applied Science & Social Science*, 08(03(III)), 69–77. [https://doi.org/10.62823/IJEMMASSS/8.3\(III\).948](https://doi.org/10.62823/IJEMMASSS/8.3(III).948)

सार

भारतीय लोकतंत्र की सफलता के लिए लोगों में राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता दोनों होनी चाहिए। किशोरावस्था में व्यक्ति का सामाजिक, धार्मिक और नागरिक दृष्टिकोण विकसित होता है। भारतीय राजनीति के संदर्भ में इस अध्ययन का उद्देश्य किशोरों की राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता का विश्लेषण करना है। यह अध्ययन किशोरों के राजनीतिक ज्ञान, चुनाव प्रक्रिया, संविधान, राजनीतिक दलों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों और समकालीन राजनीतिक मुद्दों को कैसे समझते हैं का विश्लेषण करेगा। इसके अलावा, राजनीतिक बहसों, सामाजिक और नागरिक गतिविधियों और डिजिटल माध्यमों पर राजनीतिक मुद्दों से जुड़ाव को राजनीतिक सहभागिता के कई रूपों के रूप में देखा जाएगा। अध्ययन में वर्णनात्मक अनुसंधान प्रणाली और मिश्रित/सर्वेक्षण आधारित अनुसंधान अभिकल्प दोनों का इस्तेमाल किया जाएगा। संरचित प्रश्नावली के माध्यम से प्राथमिक आंकड़े एकत्र किए जाएंगे। प्राप्त आंकड़े वर्गीकृत, सारणीबद्ध और आवृत्ति और प्रतिशत विश्लेषण से प्रस्तुत किए जाएंगे। यह अध्ययन किशोरों की राजनीतिक जागरूकता का स्तर, उनकी सहभागिता के तरीके और परिवार, विद्यालय, मीडिया और सोशल मीडिया जैसे कारकों की भूमिका को समझने में सहायता करेगा। यह अध्ययन किशोरों में लोकतांत्रिक चेतना, नागरिक जिम्मेदारी और राजनीतिक समझ विकसित करने के लिए उपयोगी शैक्षिक और जागरूकता कार्यक्रम बनाने में मदद करेगा।

शब्दकोश: भारतीय राजनीति, राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक सहभागिता, लोकतंत्र, राजनीतिक समाजीकरण, नागरिक चेतना, सोशल मीडिया।

प्रस्तावना

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, जहाँ लोकतंत्र की सफलता केवल राजनीतिक संस्थाओं की कार्यक्षमता पर नहीं बल्कि आम लोगों की जागरूकता और एकजुटता पर भी निर्भर करती है। लोकतंत्र में नागरिकों की राजनीतिक जागरूकता उन्हें संविधान, चुनाव प्रक्रिया, राजनीतिक दलों, अधिकारों और कर्तव्यों को समझने में सक्षम बनाती है। इस संदर्भ में किशोरों का अध्ययन विशेष महत्व रखता है क्योंकि यह एक व्यक्ति के सामाजिक, धार्मिक और नागरिक दृष्टिकोण के निर्माण की एक महत्वपूर्ण अवधि है।

किशोरों को भविष्य का मतदाता और नागरिक माना जाता है। इस परिस्थिति में विकसित होने वाली राजनीतिक समझ बाद में उनके राजनीतिक विचार, नागरिक जिम्मेदारी, लोकतांत्रिक व्यवहार और रुचि को प्रभावित कर सकती है। किशोरों का राजनीतिक ज्ञान परिवार, स्कूल, मित्र समूह, समाचार माध्यम और सोशल मीडिया से आता है। राजनीतिक सूचनाओं तक पहले की अपेक्षा अधिक आसानी से पहुँचने के लिए इंटरनेट और डिजिटल माध्यमों का विस्तार हुआ है। लेकिन गलत सूचना, भ्रामक राजनीतिक सामग्री और पक्षपातपूर्ण सूचना भी इसके साथ आई है।

राजनीतिक जागरूकता केवल राजनीतिक घटनाओं तक सीमित नहीं है यह संविधान, लोकतांत्रिक मूल्यों, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों, चुनाव प्रणाली और सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों का ज्ञान भी शामिल करता है। इसी तरह, राजनीतिक सहभागिता का मतदान करना ही नहीं होता किशोरों के लिए सहभागिता का अर्थ है राजनीतिक चर्चाओं में भाग लेना, राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करना, सामाजिक एवं नागरिक गतिविधियों में भाग लेना और डिजिटल माध्यमों पर राजनीतिक विषयों से जुड़ना।

यह अध्ययन किशोरों की राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता का स्तर जानना चाहता है, साथ ही उन प्रमुख घटकों को जानना चाहता है जो दोनों को प्रभावित करते हैं। भविष्य में जिम्मेदार, जागरूक और सक्रिय नागरिक बनाने के लिए यह अध्ययन महत्वपूर्ण है।

अध्ययन पृष्ठभूमि

भारतीय लोकतंत्र को मजबूत बनाने के लिए लोगों में राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता होनी चाहिए। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सार्वजनिक नीति, सामाजिक मुद्दे और नागरिक राजनीतिक निर्णयों से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से संबंध होता है। राजनीतिक जागरूकता से व्यक्ति को राजनीतिक व्यवस्था को समझने में मदद मिलती है, साथ ही उनके अधिकारों और कर्तव्यों को भी समझने में मदद मिलती है। राजनीतिक सहभागिता के माध्यम से नागरिकों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में अपनी भागीदारी निभाने का अवसर मिलता है।

किशोरावस्था राजनीतिक समाजीकरण की एक महत्वपूर्ण अवधि है। इस दौरान व्यक्ति परिवार, स्कूल, दोस्तों, मीडिया और सामाजिक परिवेश से राजनीतिक विचारों और मूल्यों को ग्रहण करता है। विद्यालय किशोरों को संविधान, लोकतंत्र, नागरिकता और सामाजिक जिम्मेदारियों का ज्ञान देता है। दूसरी ओर, सोशल मीडिया और डिजिटल तकनीक ने किशोरों को राजनीतिक घटनाओं और विचारों से जुड़ने के नए अवसर दिए हैं।

भारत में युवा लोगों की राजनीतिक सोच भविष्य की लोकतांत्रिक संस्कृति को प्रभावित कर सकती है। यही कारण है कि किशोरों का राजनीतिक ज्ञान, रुचि और विभिन्न नागरिक और राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेना महत्वपूर्ण है। इस आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अध्ययन किशोरों की राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता का विश्लेषण करना चाहता है।

भारतीय राजनीति में किशोरों की भूमिका

किशोर अभी राजनीतिक निर्णय लेने की आयु में नहीं हैं, लेकिन वे भविष्य के नागरिकों और मतदाता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। किशोरावस्था में बनाई गई राजनीतिक सोच बाद में व्यक्ति के लोकतांत्रिक मूल्यों, राजनीतिक रुचि और नागरिक व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसलिए, भारतीय लोकतंत्र के दीर्घकालीन विकास के लिए किशोरों में लोकतांत्रिक चेतना विकसित करना आवश्यक है।

किशोर परिवार और स्कूल से सामाजिक और राजनीतिक मूल्यों को सीखते हैं। विद्यालय उन्हें संविधान, लोकतंत्र, समानता, स्वतंत्रता, न्याय और नागरिक अधिकारों के बारे में बताता है। समाचार पत्रों, टेलीविजन, इंटरनेट और सोशल मीडिया से भी किशोरों की राजनीतिक चेतना प्रभावित होती है। डिजिटल माध्यमों के कारण युवा देशों और दुनिया भर में होने वाली राजनीतिक घटनाओं के बारे में जल्दी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

किशोरों का काम केवल राजनीतिक जानकारी प्राप्त करना नहीं है। वे सामाजिक जागरूकता अभियानों, विद्यालयी कार्यक्रमों, बहसों, सामुदायिक कार्यक्रमों और नागरिक गतिविधियों के माध्यम से सहभागिता की भावना विकसित कर सकते हैं। इस तरह, किशोरों में राजनीतिक जागरूकता का विकास भविष्य में कर्तव्यपूर्ण नागरिकता का आधार बन सकता है। इसलिए, किशोरों को लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिक जिम्मेदारियों से जोड़ना भारतीय राजनीति में महत्वपूर्ण है।

राजनीतिक जागरूकता के बारे में एक विचार

राजनीतिक जागरूकता का अर्थ है कि किसी व्यक्ति की राजनीतिक व्यवस्था, संस्था, प्रक्रिया, घटना, अधिकार और कर्तव्यों के बारे में जानकारी और समझ है। यह व्यक्ति को अपने राजनीतिक परिवेश को समझने और विभिन्न राजनीतिक मुद्दों पर विचार करने में सक्षम बनाता है। राजनीतिक जागरूक नागरिक लोकतंत्र में सरकारी नीतियों, चुनाव प्रक्रियाओं और सार्वजनिक मुद्दों को समझकर अधिक जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

किशोरों की राजनीतिक जागरूकता में संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों, चुनाव प्रक्रिया, राजनीतिक दलों और उनके नेताओं, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों, और वर्तमान सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों का ज्ञान शामिल हो सकता है। राजनीतिक जागरूकता का एक महत्वपूर्ण हिस्सा विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारी का विश्लेषण करना और राजनीतिक समाचारों को समझना भी है।

राजनीतिक जागरूकता का मुख्य स्रोत परिवार, स्कूल, मित्र समूह, मीडिया और सोशल मीडिया है। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया ने किशोरों को राजनीतिक सूचनाओं तक आसानी से पहुँच दी है। यद्यपि, राजनीतिक जागरूकता को ऑनलाइन माध्यमों पर उपलब्ध गलत या भ्रामक जानकारी नकारात्मक रूप से प्रभावित कर सकती है। इसलिए किशोरों में आलोचनात्मक सोच और तथ्यात्मक जानकारी की पहचान विकसित करना आवश्यक है।

राजनीतिक भागीदारी का विचार

राजनीतिक प्रक्रियाओं में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से भाग लेना, राजनीतिक सहभागिता कहलाता है। नागरिकों को लोकतांत्रिक व्यवस्था में राजनीतिक सहभागिता का अवसर मिलता है, जिसमें वे अपनी राय व्यक्त करने, सार्वजनिक मुद्दों पर चर्चा करने और राजनीतिक और सामाजिक प्रक्रियाओं से जुड़ने का अवसर मिलता है।

किशोरों की राजनीतिक भागीदारी वयस्कों से कुछ अलग हो सकती है। मतदान जैसी औपचारिक राजनीतिक गतिविधियों में भाग लेने के लिए उनकी आयु सीमित हो सकती है, लेकिन वे राजनीतिक चर्चाओं, बहसों, सामाजिक जागरूकता कार्यक्रमों, सामुदायिक कार्यक्रमों और स्कूल में नागरिक गतिविधियों में भाग ले सकते हैं। वर्तमान में सहभागिता का एक नया रूप सोशल मीडिया है, जहाँ लोग राजनीतिक मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त करते हैं, राजनीतिक सामग्री साझा करते हैं और सार्वजनिक मुद्दों पर बहस करते हैं।

राजनीतिक जागरूकता, परिवार का वातावरण, शिक्षा, मित्र समूह, मीडिया, सोशल मीडिया और सामाजिक परिवेश सबसे बड़े कारक हैं जो राजनीतिक सहभागिता को प्रभावित करते हैं। राजनीतिक जागरूकता का उच्च स्तर किशोरों में राजनीतिक मुद्दों में रुचि और भागीदारी को बढ़ा सकता है। अतः किशोरों की राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन भविष्य की नागरिक लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में उनकी रुचि और जिम्मेदारी को समझने में सहायता करता है।

अध्ययन की जरूरत और महत्व

निम्नलिखित अध्ययन की आवश्यकता और महत्व निम्नलिखित हैं:

- किशोरों की राजनीतिक जागरूकता जानना
- राजनीतिक सहभागिता का प्रकार और स्तर खोजना।
- विद्यालय और परिवार की किशोरों के राजनीतिक समाजीकरण में भूमिका को समझना।

- सोशल मीडिया और डिजिटल माध्यमों के राजनीतिक जागरूकता पर प्रभाव का विश्लेषण करना।
- किशोरों में लोकतांत्रिक मूल्यों और नागरिकों की कर्तव्यों की समझ
- राजनीतिक सहभागिता और जागरूकता के बीच संबंध को समझना
- अध्ययन के आधार पर किशोरों में नागरिकता विकसित करने के लिए सुझाव देना।

अध्ययन का प्रयोजन

निम्नलिखित अध्ययन के प्रमुख उद्देश्य हैं

- भारतीय राजनीति के संदर्भ में किशोरों की राजनीतिक जागरूकता का विश्लेषण करना।
- किशोरों में राजनीतिक सहभागिता का स्तर और प्रकार निर्धारित करना।
- किशोरों के अधिकारों और कर्तव्यों, राजनीतिक संस्थाओं, चुनावों और संविधान का विश्लेषण करना
- किशोरों में राजनीतिक जागरूकता बढ़ाने में परिवार, स्कूल, मित्र समूह और मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करना।
- किशोरों की राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता को प्रभावित करने में सोशल मीडिया की भूमिका का विश्लेषण करना।
- किशोरों की राजनीतिक सहभागिता को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण घटकों का विश्लेषण करना।
- किशोरों को राजनीतिक जागरूकता, लोकतांत्रिक मूल्यों और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए सुझाव देना।

साहित्य समीक्षा

लिशामोल टोमी, मंजू जोस और क्रिस्टोफ चेसन्थू (2022): लिशामोल टोमी, मंजू जोस और क्रिस्टोफ चेसन्थू (2022) ने भारत में युवाओं की राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता का अध्ययन किया। अध्ययन में सोशल मीडिया, राजनीतिक ज्ञान और राजनीतिक रुचि की भूमिका पर विशेष ध्यान दिया गया। अध्ययन ने पाया कि सोशल मीडिया ने युवाओं को राजनीतिक समाचार और वर्तमान राजनीतिक मुद्दों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह भी अध्ययन बताता है कि डिजिटल माध्यम युवाओं की रुचि और राजनीतिक जागरूकता को प्रभावित कर सकते हैं। वर्तमान शोध के लिए यह अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि यह डिजिटल माध्यमों और राजनीतिक जागरूकता के बीच संबंध को स्पष्ट करता है।

अजाज अहमद मीर (2022): एजाज अहमद मीर (2022) ने भारत में विद्यार्थियों की राजनीतिक और सोशल मीडिया सहभागिता का अध्ययन किया। अध्ययन ने पाया कि विद्यार्थी सोशल मीडिया का उपयोग करके राजनीतिक समाचार और जानकारी प्राप्त करते हैं। राजनीतिक सामग्री देखने और पढ़ने की प्रवृत्ति बढ़ी, लेकिन राजनीतिक गतिविधियों में प्रत्यक्ष भागीदारी बहुत कम रही। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि सोशल मीडिया एक प्रभावी माध्यम है कि राजनीतिक जानकारी प्राप्त करें, लेकिन जानकारी प्राप्त करना हमेशा सक्रिय राजनीतिक सहभागिता में बदल नहीं जाता। यह निष्कर्ष किशोरों की राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता का अध्ययन करने के लिए फायदेमंद है।

कविता शर्मा और देविंदर पाल सिंह (2021): देविंदर पाल सिंह और कविता शर्मा (2021) ने भारतीय युवाओं की राजनीतिक सहभागिता को सोशल मीडिया पर आधारित किया। शोधकर्ताओं ने ऑनलाइन राजनीतिक सहभागिता के चार मुख्य रूपों को देखारू राजनीतिक जानकारी प्राप्त करना, राजनीतिक विचार व्यक्त करना और सामाजिक-राजनीतिक मुद्दों पर बहस करना। अध्ययन बताते हैं कि सोशल मीडिया युवाओं को राजनीतिक जानकारी और अभिव्यक्ति का अवसर देता है। साथ ही, युवाओं की राजनीतिक रुचि और विचार डिजिटल

राजनीतिक गतिविधियों से प्रभावित हो सकते हैं। यह अध्ययन सोशल मीडिया की वर्तमान शोध में भूमिका को समझने में सहायक है।

उग्याल त्शेरिंग लामा योल्मो (2022): उग्याल त्शेरिंग लामा योल्मो (2022) ने 2014 से 2021 के बीच सोशल मीडिया का उपयोग करते हुए युवाओं की राजनीतिक जागरूकता, रुचि और राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन किया। अध्ययन में सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव को समझने की कोशिश की गई। अध्ययन के अनुसार सोशल मीडिया ने युवाओं के राजनीतिक संचार, जानकारी और रुचि को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। वर्तमान शोध के लिए यह अध्ययन महत्वपूर्ण है क्योंकि किशोर भी डिजिटल माध्यमों के बढ़ते उपयोग के कारण राजनीतिक सूचनाओं से तेजी से जुड़ रहे हैं।

ईशा भट्ट और वरिंदर कुमार (2022): ईशा भट्ट और वरिंदर कुमार (2022) ने इंस्टाग्राम को भारतीय युवाओं की राजनीतिक भागीदारी के एक नए मंच के रूप में देखा। यह अध्ययन विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के राजनीतिक इंस्टाग्राम उपयोग पर केंद्रित था। अध्ययन ने पाया कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म युवाओं को राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने, राजनीतिक विचारों पर चर्चा करने और अपनी राजनीतिक राय व्यक्त करने का अवसर देते हैं। यह अध्ययन बताता है कि पारंपरिक राजनीतिक सहभागिता के साथ-साथ राजनीतिक अभिव्यक्ति के नए तरीके भी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर विकसित हो रहे हैं। यह अध्ययन किशोरों की राजनीतिक जागरूकता में सोशल मीडिया की भूमिका को समझने में उपयोगी है।

अनुराग गुप्ता and Salooni Bharadwaj (2024): अनुराग गुप्ता और सलोनी भारद्वाज (2024) ने दिल्ली के कॉलेज के विद्यार्थियों में इंस्टाग्राम और राजनीतिक जागरूकता के संबंध का अध्ययन किया। अध्ययन ने सोशल मीडिया का उपयोग और राजनीतिक जागरूकता के बीच संबंध को समझने की कोशिश की। अध्ययन के अनुसार, सोशल मीडिया युवाओं को राजनीतिक घटनाओं, विचारों और समकालीन मुद्दों से जोड़ने में महत्वपूर्ण योगदान देता है। वर्तमान शोध के लिए अध्ययन लाभदायक है क्योंकि यह डिजिटल माध्यमों से राजनीतिक जानकारी प्राप्त करने की बढ़ती प्रवृत्ति को समझाता है।

एन. जोहाना सैम, दीक्षिता आर., निर्मल जोश, एन. जननी, श्री राजीव और विकाटा अक्षिता पेंटा (2024): N. Joshna Sam D. R. Nirmal Josh N. Janni Mr. Rajiv and Vinkata Akhita Penta (2024) ने सोशल मीडिया के माध्यम से भारतीय युवाओं के राजनीतिक विचारों का अध्ययन किया। शोध में राजनीतिक ध्रुवीकरण, राजनीतिक संवाद और सोशल मीडिया का प्रभाव शामिल थे। अध्ययन ने दिखाया कि सोशल मीडिया युवाओं की राजनीतिक सोच को प्रभावित कर सकता है। साथ ही, एकतरफा सूचनात्मक समूह और गलत सूचना भी राजनीतिक समझ को प्रभावित कर सकते हैं। इस अध्ययन का उद्देश्य किशोरों की राजनीतिक जागरूकता पर सोशल मीडिया के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों प्रभावों को समझना है।

अनुसंधान पद्धति

• अनुसंधान प्रक्रिया

इस अध्ययन में मात्रात्मक अनुसंधान का उपयोग किया जाएगा। यह अध्ययन संख्यात्मक रूप से किशोरों की राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता का स्तर मापना चाहता है। इसमें किशोरों के राजनीतिक ज्ञान, चुनाव संबंधी जानकारी, संविधान, नागरिक अधिकार और कर्तव्य, राजनीतिक मुद्दों में रुचि और विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी का अध्ययन किया जाएगा।

• अध्ययन का उद्देश्य

अध्ययन वर्णनात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान प्रणाली का उपयोग करेगा। इस अभिकल्प में किशोरों की राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता की वर्तमान स्थिति का विश्लेषण किया जाएगा। अध्ययन में कुछ भी नहीं प्रयोग किया जाएगा इसके बजाय, उत्तरदाताओं से प्राप्त प्राथमिक आँकड़ों पर निष्कर्ष निकाले जाएंगे।

- **अध्ययन में शामिल लोग**

अध्ययन में 14 से 18 वर्ष की आयु के किशोर शामिल होंगे। शोध क्षेत्र के चयनित विद्यालयों में अध्ययनरत किशोरों को शोध की लक्षित जनसंख्या माना जाएगा।

- **नमूना आकार और चयन**

अध्ययन के लिए कुल 200 किशोर चुने जाएंगे। उद्देश्यपूर्ण नमूना चयन प्रणाली का प्रयोग किया जाएगा। इसमें 14 से 18 वर्ष के विभिन्न कक्षाओं में अध्ययनरत किशोरों को शामिल किया जाएगा।

- **आंकड़े संकलन की प्रक्रिया**

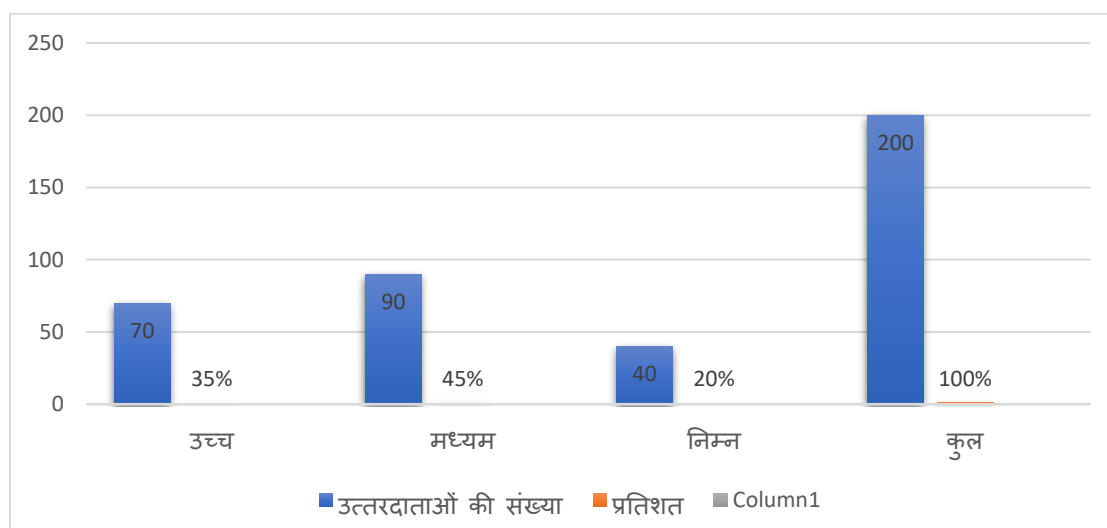
अध्ययन में प्राथमिक और द्वितीयक आंकड़े प्रयोग किए जाएंगे।

- प्राथमिक डेटा: 200 किशोरों से संरचित सर्वेक्षण किया जाएगा।
- द्वितीयक आंकड़े हैं पुस्तकें, शोध पत्र, पत्रिकाएँ, रिपोर्ट, सरकारी प्रकाशन और शिक्षण सामग्री ऑनलाइन से मिलेंगे।

आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या

तालिका 1: किशोरों का राजनीतिक जागरूकता स्तर

राजनीतिक जागरूकता का स्तर	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
उच्च	70	35%
मध्यम	90	45%
निम्न	40	20%
कुल	200	100%

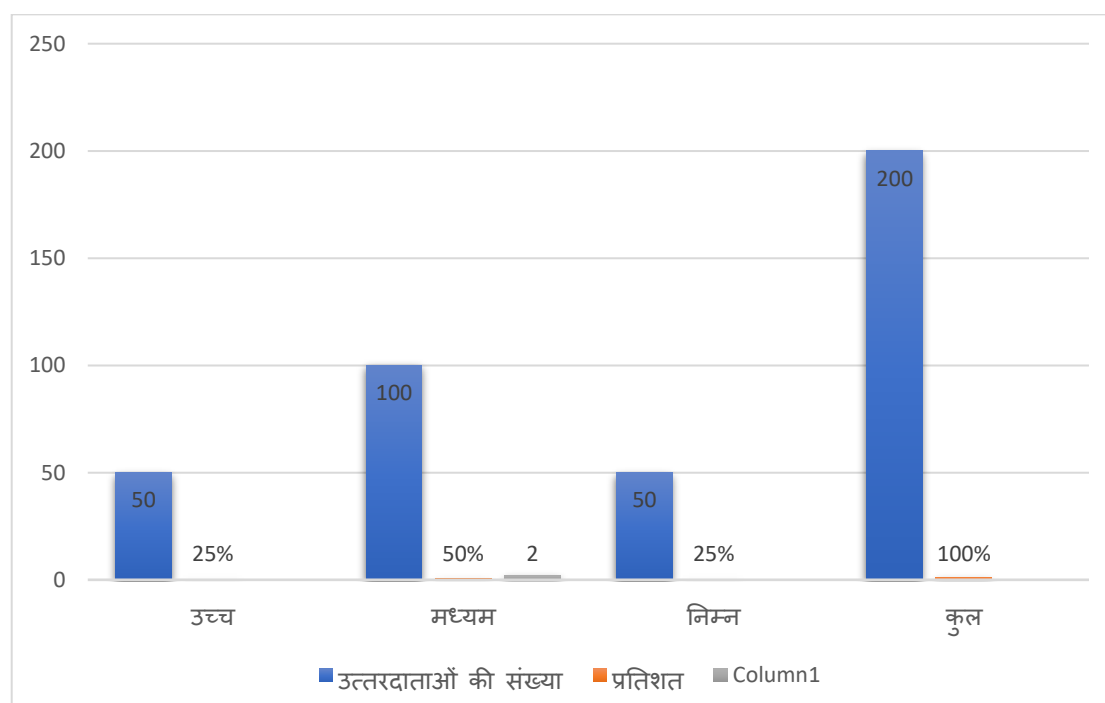


वर्णन

तालिका से स्पष्ट है कि 45% किशोरों में मध्यम राजनीतिक जागरूकता है, जबकि 35% में उच्च। लगभग 20 प्रतिशत किशोरों का जागरूकता स्तर कम है। इससे पता चलता है कि अधिकांश किशोरों को भारतीय राजनीति के बारे में आम जानकारी है, लेकिन कुछ किशोरों को राजनीति का पर्याप्त ज्ञान नहीं है। शिक्षा और जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से राजनीतिक ज्ञान को और मजबूत करना चाहिए।

तालिका 2: किशोरों की राजनीतिक सहभागिता का स्तर

राजनीतिक सहभागिता का स्तर	उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
उच्च	50	25%
मध्यम	100	50%
निम्न	50	25%
कुल	200	100%



वर्णन

तालिका बताती है कि 50% किशोरों की राजनीतिक भागीदारी मध्यम है। किशोरों में 25 प्रतिशत अधिक राजनीतिक सहभागिता थी, जबकि 25 प्रतिशत कम थी। इससे स्पष्ट होता है कि किशोरों को राजनीतिक विषयों में दिलचस्पी है, लेकिन वे अभी भी सक्रिय नहीं हैं। किशोरों को राजनीतिक चर्चाओं, नागरिक गतिविधियों, स्कूल कार्यक्रमों और सामाजिक जागरूकता अभियानों में सकारात्मक रूप से शामिल करना संभव है।

निष्कर्ष

यह अध्ययन बताता है कि भारतीय राजनीति में किशोरों की जागरूकता और रुचि सामान्य है। अध्ययन में पाया गया कि बहुत से किशोरों का राजनीतिक जागरूकता स्तर मध्यम था, लेकिन बहुत से उच्च भी थे। इसके बावजूद, कुछ किशोरों को राजनीतिक ज्ञान की कमी है। राजनीतिक सहभागिता के मामले में भी अधिकांश किशोर मध्यमवर्गीय थे। किशोर राजनीतिक समाचार, सोशल मीडिया और अपने परिवार और विद्यालय से जानते हैं। उनकी भागीदारी प्रत्यक्ष राजनीतिक गतिविधियों में अपेक्षाकृत सीमित रहती है। अध्ययन भी दिखाता है कि विद्यालय, परिवार और मीडिया राजनीतिक जागरूकता और सहभागिता को बढ़ा सकते हैं। यही कारण है कि किशोरों को संविधान, लोकतंत्र, नागरिक अधिकारों और कर्तव्यों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता देने के लिए नियमित रूप से शैक्षिक और नागरिक जागरूकता कार्यक्रमों की आवश्यकता है।

चर्चा

यह अध्ययन बताता है कि किशोरों की राजनीतिक जागरूकता और उनकी भागीदारी भारतीय लोकतंत्र के भविष्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। किशोर राजनीति से बिल्कुल अलग नहीं हैं, जैसा कि मध्यम जागरूकता बताती है वे राजनीतिक जानकारी विभिन्न तरीकों से प्राप्त कर रहे हैं। राजनीतिक सूचनाएं सोशल मीडिया और इंटरनेट से आसानी से मिल सकती हैं। राजनीतिक जानकारी केवल प्राप्त करने से सक्रिय राजनीतिक सहभागिता नहीं होती। किशोरों का राजनीतिक दृष्टिकोण परिवार, स्कूल में नागरिक शिक्षा और दोस्तों के समूह से प्रभावित हो सकता है। अध्ययन में पाया गया कि किशोरों को अधिक सकारात्मक और लोकतांत्रिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर दिए जाने चाहिए। विद्यालयों में वाद-विवाद, मॉडल संसद, सामाजिक सेवा कार्यक्रम और नागरिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जा सकता है। किशोरों को राजनीतिक जागरूकता को जिम्मेदार नागरिक व्यवहार से जोड़कर भविष्य में सक्रिय और जागरूक नागरिक बनाया जा सकता है।

सुझाव

- स्कूलों में राजनीतिक और नागरिक शिक्षा अधिक प्रभावी होनी चाहिए।
- किशोरों को संविधान, लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों की जानकारी देने के लिए अभियान चलाने चाहिए।
- विद्यालयों में मॉडल संसद, बहस और चर्चा होनी चाहिए।
- किशोरों को सोशल मीडिया पर उपलब्ध राजनीतिक सूचनाओं का तथ्य-जाँच करने का ज्ञान देना चाहिए।
- परिवार में सकारात्मक और निष्पक्ष राजनीतिक बहस होनी चाहिए।
- किशोरों को नागरिक और सामाजिक गतिविधियों में भाग लेने के अवसर मिलने चाहिए।
- विद्यालयों में किशोरों को लोकतांत्रिक मूल्यों, सहिष्णुता और जिम्मेदार नागरिकता का विकास करना चाहिए।

संदर्भ ग्रन्थ सूची

1. भट्ट, ई., एवं कुमार, वी. (2022)। भारतीय युवाओं में राजनीतिक सहभागिता के नए मंच के रूप में इंस्टाग्राम। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च एंड एनालिटिकल रिव्यूज।
2. गुप्ता, ए., एवं भारद्वाज, एस. (2024)। दिल्ली के कॉलेज विद्यार्थियों में राजनीतिक जागरूकता पर इंस्टाग्राम की भूमिका।
3. मीर, एजाज अहमद। (2022)। भारत में विद्यार्थियों के बीच सोशल मीडिया और राजनीतिक सहभागिताएँ एक सर्वेक्षण विश्लेषण। सोशल मीडिया एंड पॉलिटिकल पार्टिसिपेशन अमंग द स्टूडेंट्स इन इंडिया।
4. योल्मो, उग्याल त्शोरिंग लामा। (2022)। सोशल मीडिया के उपयोग के माध्यम से युवाओं में राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक रुचि और राजनीतिक सहभागिता का विकास 2014-2021। राजनीतिक संचार एवं युवा सहभागिता अध्ययन।
5. मल्लही, मेहताब। (2020)। भारतीय युवा और राजनीति। इंडियन पॉलिटिक्स एंड लॉ रिव्यू जर्नल, 5, 114-132।
6. सिंह, देविंदर पाल, एवं शर्मा, कविता। (2021)। भारतीय युवाओं में सोशल मीडिया आधारित राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनोवेशन एंड बिजनेस मैनेजमेंट, 22(1), 19-36।

7. टोमी, लिशामोल, जोस, मंजू, एवं चेसन्यू, क्रिस्टोफ। (2022)। भारत में युवाओं की राजनीतिक जागरूकता और राजनीतिक सहभागिता का अध्ययन। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एजुकेशनल स्टडीज।
8. सैम, एन. जोहाना, दीक्षिता, आर., जोस, निर्मल, जननी, एन., राजीव, श्री, एवं पेंटा, विकाटा अक्षिता। (2024)। भारतीय युवाओं के राजनीतिक विचारों को प्रभावित करने में सोशल मीडिया की भूमिका। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इंडियन साइकोलॉजी।
9. कुमार, यश, एवं यादव, रुबी। (2025)। विलकिंग डेमोक्रेसी भारत में युवा, सोशल मीडिया और चुनावी राजनीति, 2014-2024। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च पब्लिकेशंस।
10. भारत, वीरा, अवस्थी, शक्ति, एवं कंडलकर, तृष्णा। (2025)। भारतीय राजनीति में युवाओं की भागीदारी एक सर्वेक्षण आधारित अध्ययन। जर्नल ऑफ इन्फॉर्मेटिक्स एजुकेशन एंड रिसर्च।
11. सोलंकी, दीपाली, एवं कुमार, अश्वनी। (2026)। भारतीय आम चुनाव 2024 में युवाओं एवं पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं पर सोशल मीडिया सहभागिता का प्रभाव।
12. आजाद, दिलावर कुदारी। (2026)। समकालीन भारत में सोशल मीडिया, युवा और चुनावी राजनीति। सोशल मीडिया, यूथ एंड इलेक्ट्रोरल पॉलिटिक्स इन कंटेम्पररी इंडिया।
13. भड़वाल, निशांत, एवं सिंह, सोमू। (2026)। भारत में कॉलेज विद्यार्थियों का राजनीतिक समाजीकरण एक व्यापक व्यवस्थित समीक्षा। जर्नल ऑफ नेटिव इंडिया एंड डायवर्सिटी स्टडीज, 2(3)।
14. थॉमस, लिशामोल, एवं जोस, मंजू। (2023)। भारतीय युवाओं में राजनीतिक जागरूकता, राजनीतिक रुचि और लोकतांत्रिक सहभागिता का अध्ययन। इंडियन जर्नल ऑफ सोशल साइंस रिसर्च।
15. गुप्ता, अनुराग, एवं भारद्वाज, सलोनी। (2024)। डबल-टैपिंग इनटू डेमोक्रेसीरू दिल्ली के कॉलेजों के विद्यार्थियों की राजनीतिक जागरूकता में इंस्टाग्राम की भूमिका। विवेकानंद जर्नल ऑफ रिसर्च, 14(1)।

